पीएम E-ड्राइव में इलेक्ट्रिक कारों को शामिल न करना

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

पीएम **इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना में इलेक्ट्रिक कारों को** किसी भी प्रत्यक्ष सब्सिडी से बाहर रखा गया है।

- सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक कारों के लिये **न्यूनतम** [**वस्तु एवं सेवा कर**](#) जैसे अन्य उपाय इस क्षेत्र को समर्थन देने के लिये **पर्याप्त हैं।**

पीएम ई-ड्राइव योजना क्या है?

- **पीएम ई-ड्राइव योजना का परिचय:** इसका उद्देश्य भारत में [इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को](#) बढ़ावा देना है, जिसके लिये दो वर्षों में **10,900 करोड़ रुपए** का वित्तीय परिव्यय निर्धारित किया गया है।
  - [**इसे FAME II**](#) के स्थान पर लॉन्च किया गया है।
- **दायरा:** यह मांग प्रोत्साहन के माध्यम से लगभग **25 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों, 3 लाख इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों और 14,000 इलेक्ट्रिक बसों को** राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान करता है।
  - **वाहन निर्माता**, पिछली FAME-II योजना के समान, पात्र **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) की बिक्री के लिये प्रतिपूर्ति का दावा कर सकते हैं।**
  - हालाँकि **इलेक्ट्रिक कारों को** सब्सिडी से **बाहर रखा गया** है।
- **अन्य प्रावधान:** चयनित शहरों और चयनित राजमार्गों पर **इलेक्ट्रिक वाहन सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (EVPCS)** की स्थापना।
  - **ग्रीन मोबिलिटी को** बढ़ावा देने के लिये **नवीन और उभरती प्रौद्योगिकियों** से निपटने के लिये टेस्टिंग एजेंसियों का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

FAME योजना क्या थी?

- FAME **(हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तीव्र गति से अपनाना और उनका विनिर्माण)** नीति का उद्देश्य वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करना, ईंधन की खपत में कमी लाना और **सतत् परिवहन को प्रोत्साहित करना है।**
  - इसे वर्ष **2015 में** [**नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (NEMMP)**](#) के तहत पेश किया गया था।

प्रमुख चरण:

- **फेम I (वर्ष 2015-2019): इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों की खरीद** के लिये प्रोत्साहन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया और **चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर** के विकास का समर्थन किया गया।
  - इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निज़ी क्षेत्रों में **स्वच्छ गतिशीलता को बढ़ावा देना था।**
- **फेम II (वर्ष 2019-2024): इसके दायरे का विस्तार किया गया है, विशेष रूप से सार्वजनिक परिवहन (ई-बसों, दोपहिया और तीन पहिया वाहनों)** में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिये 1.19 बिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान किये गए हैं।
  - इसमें मज़बूत **चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर भी बल दिया गया** तथा **कॉमर्शियल फ्लीट्स से उत्सर्जन को कम करने का लक्ष्य रखा गया।**

इलेक्ट्रिक कारों के प्रचार से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **पीएम ई-ड्राइव में इलेक्ट्रिक कारों को शामिल न करने का प्रभाव:** फेम-II की समाप्ति के पश्चात् राजकोषीय प्रोत्साहनों के अभाव के कारण **इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में गिरावट आई है।**
  - अप्रैल और अगस्त 2024 के बीच इलेक्ट्रिक कारों के पंजीकरण में **FAME-II के** सक्रिय होने से **पूर्व के माह** की तुलना में **9% की**

गिरावट आई।

- **अपर्याप्त चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर:** [ऊर्जा दक्षता ब्यूरो] के अनुसार, **भारत में 46 लाख पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों** के लिये लगभग **25,000 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन मौजूद हैं।**
  - वर्तमान में **प्रति चार्जिंग स्टेशन 184 इलेक्ट्रिक वाहन का अनुपात** ई-मोबिलिटी को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने वाले अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक है।

सब्सिडी से परे सहायक उपाय:

- **उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजनाएँ:** सरकार ऑटो कंपोनेंट्स और [उन्नत सेल रसायन (ACC) बैटरियों के लिये] PLI [योजनाओं के माध्यम से EV क्षेत्र को समर्थन दे रही है।]
  - ये प्रोत्साहन स्तरीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर, विशेष रूप से EV आपूर्ति शृंखला में, उत्पादन लागत को कम करने में सहायक हो सकते हैं।
- **न्यूनतम GST और राज्य स्तरीय छूट:** इलेक्ट्रिक कारों को 5% का **न्यून वस्तु एवं सेवा कर (GST)** दर का लाभ मिलता रहेगा, जबकि **हाइब्रिड और CNG वाहनों पर यह दर 28%** तथा **इंटरनल कंबशन इंजन व्हीकल्स पर 49% है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-e-drive-excludes-electric-cars